MSW-007
MSW-008
MSW-009
MSW-017
MSWE-001
MSWE-002
MSWE-003
MSWE-007
MSW-010

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2020–2021

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–007	:	वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–017	:	समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001	:	एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002	:	महिला और बाल विकास
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003	:	आपदा प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–007	:	अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू.–010	:	परोपकारी समाज कार्य का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई, 2020 सत्र – मार्च 31, 2021
जनवरी, 2021 सत्र – सितम्बर 30, 2021

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सौम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) परामर्श प्रक्रिया के विभिन्न चरणों पर चर्चा करें। 20

अथवा

विभिन्न क्षेत्र सेटिंग्स में सामाजिक वैयक्तिक कार्य का कार्य-क्षेत्र स्पष्ट करें। 20

2) भारत में वैयक्तिक कार्य अभ्यास की प्रासंगिकता और चुनौतियों पर चर्चा करें। 20

अथवा

समाज कार्य पेशे में परामर्श के कार्य-क्षेत्र और कार्यों पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा करें। 10

ख) वैयक्तिक कार्य के विभिन्न घटकों का वर्णन करें। 10

ग) वैयक्तिक कार्य अभ्यास के स्वदेशीकरण पर चर्चा करें। 10

घ) सामाजिक वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया में रिकॉर्डिंग के महत्व को समझाइए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) प्रभावी समाज कार्य के लिए आवश्यक कुछ साक्षात्कार कौशल का उल्लेख करें। 5

ख) वैयक्तिक कार्य संबंध अन्य पेशेवर संबंधों से कैसे अलग है? 5

ग) परामर्श और मनोचिकित्सा के बीच भेद करें । 5

घ) प्रभावी संचार की क्या बाधाएं हैं? 5

ङ) परामर्शदाता बर्नआउट सिंड्रोम से कैसे निपट सकता है? 5

च) व्यक्तियों के बीच अप्रभावी मुकाबला समस्याओं के कारणों की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) प्रत्युतर अंतरण (counter transference) 4

ख) तालमेल बनाना 4

ग) गोपनीयता का सिद्धांत 4

घ) सामाजिक वैयक्तिक कार्यकर्ता के कौशल 4

ङ) व्यवहार तकनीक 4

च) भूमिका निभाना (role play) 4

छ) घर का दौरा 4

ज) संज्ञानात्मक सिद्धांत 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामुदायिक सेटिंग में समूह कार्य की भूमिका का वर्णन करें। 20

अथवा

विभिन्न नेतृत्व सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन करें। 20

2) स्वतंत्र भारत में समूह कार्य के ऐतिहासिक विकास का पता लगाएं। 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य के मॉडल पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) सामाजिक समूह कार्य में कार्यक्रम नियोजन क्या है? 10

ख) मनोरोग सेटिंग में समूह कार्य की व्याख्या करें। 10

ग) समूह कार्य की सीमाओं पर चर्चा करें। 10

घ) समूह विकास को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) सामाजिक समूह कार्य के किसी भी दो सिद्धांतों का उल्लेख करें। 5

ख) सामाजिक कार्रवाई समूह कैसे बनाएं और बनाए रखें? 5

ग) विभिन्न प्रकार के समूह क्या हैं? 5

घ) समूह के मूल्यांकन के लिए मुख्य संकेतकों की सूची बनाएं। 5

ङ) सामाजिक समूह कार्य के मूल मूल्य क्या हैं? 5

च) सामाजिक समूह कार्य में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) समूह की गतिशीलता 4

ख) सुधारक संस्थानों में समूह कार्य 4

ग) समूह सामंजस्य 4

घ) स्वयं सहायता समूह 4

ङ) समूह जीवन चक्र 4

च) जराचिकित्सा देखभाल में समूह कार्यकर्ता की भूमिका 4

छ) संघर्ष समाधान 4

ज) जीवन कौशल

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में सामुदायिक संगठन के इतिहास का पता लगाएं। 20

अथवा

सामाजिक कार्रवाई की रणनीतियों और मॉडल का वर्णन करें। 20

2) समाज कल्याण प्रशासन की अवधारणा और विशिष्ट विशेषताओं का वर्णन करें। 20

अथवा

सामुदायिक संगठन को परिभाषित करें। संक्षेप में सामुदायिक संगठन की प्रक्रिया में शामिल चरणों पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में से कुछ का वर्णन करें। 10

ख) गैर सरकारी संगठनों के कार्यों और विशेषताओं पर चर्चा करें। 10

ग) सामुदायिक संगठन के किसी भी दो मॉडल का वर्णन करें। 10

घ) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) एक समुदाय की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 5

ख) सामाजिक क्रिया और सामाजिक आंदोलन के बीच अंतर करें । 5

ग) सामुदायिक विकास और सामुदायिक कार्य के बीच अंतर करें । 5

घ) आवश्यकता मूल्यांकन के विभिन्न घटक क्या हैं? 5

ङ) संक्षेप में एक सामुदायिक आयोजक की भूमिका स्पष्ट करें। 5

च) सामुदायिक अभ्यास के लिए आवश्यक कौशल को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) फंड जुटाना 4

ख) घुमंतू जनजाति 4

ग) सामाजिक अंकेक्षण 4

घ) सामाजिक नियोजन 4

ङ) सामाजिक क्रिया के सिद्धांत 4

च) SWOT विश्लेषण 4

छ) ग्रामीण कारीगर 4

ज) स्वयं सहायता समूह 4

समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–017
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कार्य में नेटवर्किंग के दृष्टिकोण और मॉडल पर चर्चा करें। 20

अथवा

उदाहरण के साथ संसाधन जुटाने के कुछ मूल सिद्धांतों का वर्णन करें। 20

2) जनहित याचिका दाखिल करने की प्रक्रिया बताइए? जनहित याचिका कब दायर की जा सकती है? 20

अथवा

भारतीय संदर्भ में सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए आचार संहिता में उल्लिखित समाज कार्य के बारह मूल्यों को सूचीबद्ध करें। उदाहरण के साथ किसी भी पाँच का संक्षेप में वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) शक्ति आधारित अभ्यास के कुछ प्रमुख तत्वों पर चर्चा करें। 10

ख) काउंसिल फॉर सोशल वर्क एजुकेशन (CSWE) यूएसए द्वारा वर्णित समाज कार्य अभ्यास की कुछ मुख्य दक्षताओं को सूचीबद्ध करें और समझाएं। 10

ग) समाज कार्य के मूल्य के रूप में पेशे के प्रति निष्ठा पर एक निबंध लिखें। 10

घ) समाज कार्य पेशे में देशभक्ति के मूल्य को व्यक्त करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण तरीके क्या हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) मुवक्किल के साथ वकालत के काम के किसी भी पांच उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 5

ख) शक्ति आधारित अभ्यास और सामुदायिक संगठन के साथ इसके संबंध पर लिखें। 5

ग) जागरूकता अभियानों के कुछ लोकप्रिय उद्देश्यों की गणना करें। 5

घ) समाज कार्य के मूल्य के रूप में मानवीय संबंधों पर लिखें। 5

ङ) गरिमा और मूल्य के महत्व को समझाएं। 5

च) अखंडता को परिभाषित करें। अखंडता क्यों जरूरी है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) शक्ति आधारित अभ्यास और वकालत 4

ख) नेटवर्किंग की परिभाषा 4

ग) जनहित याचिका और नेटवर्किंग 4

घ) सामाजिक वैयक्तिक कार्य और संसाधन जुटाना 4

ङ) समाधान केंद्रित उपचार (SFT) 4

च) सामाजिक न्याय की अवधारणा 4

छ) समाज कार्य के मूल्य के रूप में सेवा 4

ज) समाज कार्य के मूल्य के रूप में योग्यता 4

एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) संगठित क्षेत्र में एचआईवी/एड्स के निहितार्थ पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

PLHAs के अधिकारों को लागू करने के लिए उपयोगी कानूनों पर चर्चा करें। 20

2) जनसंख्या को सूचीबद्ध करें जो कि ज्यादातर एचआईवी/एड्स से प्रभावित हैं।
उनकी भेद्यता के कारणों का उल्लेख करें। 20

अथवा

एचआईवी /एड्स के संदर्भ में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच कलंक और भेदभाव के बारे में बताएं। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) पूर्व–परीक्षण और बाद–परीक्षण परामर्श में परामर्शदाता द्वारा संबोधित किए जाने वाले मुद्दे क्या हैं? 10

ख) सामाजिक शिक्षण सिद्धांतों का उल्लेख करें। 10

ग) हॉल के अनुसार, एचआईवी /एड्स को रोकने या कम करने वाले कारक क्या हैं? 10

घ) एचआईवी संक्रमण के चरणों को सूचीबद्ध करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) यूएनएड्स के लक्ष्य और मिशन को सूचीबद्ध करें। 5

ख) परामर्श को परिभाषित करें। एचआईवी/एड्स के संदर्भ में परामर्श का क्या महत्व है? 5

ग) हमारे समाज में कौन से सामाजिक–सांस्कृतिक कारक हैं जो महिलाओं को एचआईवी संक्रमण के प्रति संवेदनशील बनाते हैं? 5

घ) पांच मख्य तरीकों को सूचीबद्ध करें जिसमें एचआईवी संक्रमण घरों को प्रभावित करता है।। 5

ङ) ग्राहक कौन है? 5

च) किशोरों के बीच एचआईवी संचरण के जोखिम को कम करने में सामाजिक कार्यकर्ता कैसे हस्तक्षेप कर सकते हैं, इसकी संक्षिप्त व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) नाको (NACO) 4
ख) लिंग और एचआईवी 4
ग) एचआईवी/एड्स पर शिक्षा के माध्यम से समाज कार्य हस्तक्षेप 4
घ) यूएनएफपीए 4
ङ) डब्ल्यूएचओ 4
च) सहानुभूति 4
छ) उचित कार्रवाई का सिद्धांत 4
ज) स्वास्थ्य विश्वास मॉडल 4

महिला और बाल विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) प्रारंभिक भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति की पहचान करें। 20

अथवा

महिलाओं के विकास के कार्यक्रमों पर चर्चा करें। 20

2) भारत में बालिकाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति पर चर्चा करें । 20

अथवा

बच्चों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) पितृसत्ता महिलाओं को कैसे नियंत्रित करती है? व्याख्या करें । 10

ख) CEDAW के महत्वपूर्ण प्रावधानों का वर्णन करें। 10

ग) संवैधानिक सुरक्षा उपायों और महिलाओं के विकास के लिए विधायी उपायों पर संक्षिप्त चर्चा करें। 10

घ) बाल अधिकारों के कन्वेंशन के प्रावधानों का इसके वैकल्पिक प्रोटोकॉल के साथ संक्षेप में उल्लेख करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) लिंग और विकास के बीच संबंध बताएं। 5

ख) अनौपचारिक क्षेत्र की भूमिका और प्रासंगिकता का उल्लेख करें। 5

ग) पालन–पोषण शैली से आप क्या समझते हैं? 5

घ) भारत में बाल विवाह की व्यापकता की व्याख्या कीजिए। 5

ङ) स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिकाओं की पहचान करें । 5

च) यौवन के दौरान होने वाले परिवर्तनों की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) महिलाओं के खिलाफ हिंसा 4

ख) महिलाएं और काम 4

ग) मताधिकार 4

घ) यूनिफेम 4

ङ) प्राथमिक स्तर पर लड़कियों की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीईजीईएल) 4

च) कचरा बीनने वाले 4

छ) मध्याह्न भोजन योजना 4

ज) परिवार के लिए 'सिस्टम' दृष्टिकोण 4

आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) घटना कमांड प्रणाली में प्राथमिक कार्यों को उजागर करें। 20

अथवा

खतरे, जोखिम, भेद्यता और क्षमता के बीच संबंध पर चर्चा करें। 20

2) क्षति मूल्यांकन की प्रक्रिया में गतिविधियों के अनुक्रम का वर्णन करें। 20

अथवा

समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन के घटकों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) तीन प्रकार के ट्राइएज में क्या अंतर है? 10

ख) पूर्व चेतावनी प्रणाली के चार घटकों का वर्णन करें। 10

ग) क्षति आकलन को परिभाषित करें और मूल्यांकन के उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 10

घ) आपदा जोखिम में कमी के लिए IDNDR के दौरान भारत द्वारा की गई प्रमुख पहलों को सूचीबद्ध करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना के मुख्य उद्देश्य क्या हैं? 5

ख) आप किसी आपदा में प्रभावित आबादी का आकलन कैसे करेंगे? 5

ग) स्ट्राइक टीम और टास्क फोर्स में क्या अंतर है? 5

घ) 'आपदा क्रंच मॉडल 'की व्याख्या करें। 5

ङ) शमन क्या है? 5

च) विभिन्न प्रकार की आपदाओं का वर्णन करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) आपदा विमोचन मॉडल 4

ख) महामारी 4

ग) पीटीएसडी 4

घ) घटना कार्य योजना 4

ङ) आपदा मनो–सामाजिक देखभाल 4

च) लिंग और आपदा 4

छ) संरचनात्मक शमन 4

ज) पूर्व चेतावनी 4

अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कार्य शिक्षा के उत्थान और विकास की बहस पर चर्चा करें। 20

अथवा

समाज कार्यों के अंतर्राष्ट्रीयकरण और स्वदेशीकरण की बहस पर चर्चा करें । 20

2) भारत में उपयोग किए गए दृष्टिकोणों को सूचीबद्ध करें और समझाएं जो समुदाय की सांस्कृतिक गतिशीलता को समझने की आवश्यकता को पहचानते हैं। 20

अथवा

यूरोप में सामाजिक कार्यों के इतिहास का पता लगाएं। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। 10

ख) अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक मुद्दों को सूचीबद्ध करें और उनका वर्णन करें जो मानव और समाज को प्रभावित करते हैं। 10

ग) अंतर्राष्ट्रीय अभ्यास में सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा निभाई गई विभिन्न भूमिकाओं का अवलोकन लिखें। 10

घ) पवार द्वारा सुझाई गई स्वदेशी समाज कार्य शिक्षा के विकास के लिए दस कदम प्रदान करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य के विभिन्न दृष्टिकोणों पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ख) समाज कार्य में अर्नोल्ड टॉयनबी के योगदान की भूमिका और महत्व का उल्लेख करें। 5

ग) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य और समाज कार्य शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के बीच अंतर करें। 5

घ) सांस्कृतिक क्षमता क्या है? 5

ङ) एशिया–प्रशांत क्षेत्र में सामाजिक कार्यों के भविष्य की दिशा बताएं। 5

च) एशिया में समाज कार्य हस्तक्षेप के प्रमुख मुद्दे क्या हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य 4

ख) अंतर्राष्ट्रीय विकास और राहत 4

ग) यूएनएचआरसी (UNHRC) 4

घ) इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सोशल वर्कर्स (IFSW) 4

ङ) समाज कार्य का स्वदेशीकरण 4

च) विलियम हेनरी बेवरिज 4

छ) एशिया में सामाजिक कार्यकर्ताओं का व्यावसायिक संघ 4

ज) इज़राइल में समाज कार्य अनुशासन की स्थिति 4

परोपकारी समाज कार्य का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–010
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. धर्मार्थ कार्य की प्रारंभिक शुरुआत का वर्णन करें जिसमें से परोपकार विकसित हुआ है। 20

अथवा

परोपकार को परिभाषित करें। आधुनिक दुनिया में परोपकार के क्षेत्र पर प्रकाश डालिए। 20

2. कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के विभिन्न चरणों का वर्णन करें। 20

अथवा

परोपकार और पेशेवर सामाजिक कार्यों के बीच संबंध पर विस्तार से जानकारी दें। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

i) मौलिक मानवीय मूल्यों की चर्चा करें। 10
ii) परोपकारी समाज कार्य के कार्य–क्षेत्र और क्षेत्र का वर्णन करें । 10
iii) संगठित अनुदान और विदेशी दान प्राप्त करने के लिए एक परोपकारी संगठन के लिए कानूनी आवश्यकताओं पर लिखें। 10
iv) नागर समाज को परिभाषित करें। समाज के मूल मूल्यों को बढ़ावा देने में परिवार की भूमिका पर चर्चा करें। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

i) फंड जुटाने के क्या साधन हैं? 5
ii) परोपकार और परोपकारी सामाजिक कार्यों के बीच संबंधों को उजागर करें। 5
iii) दाता एजेंसी क्या है? 5
iv) मानवाधिकारों की तीन पीढ़ियों को सूचीबद्ध करें। 5
v) मानव कर्तव्यों को स्वीकार और अभ्यास करना क्यों महत्वपूर्ण है? 5
vi) परोपकारी सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका की गणना करें। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

i) NASW की आचार संहिता 4
ii) सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा नैतिक दुविधाओं का सामना करना 4
iii) सामाजिक अंकेक्षण 4
iv) संसाधन प्रबंधन 4
v) गांधीवादी परोपकार 4
vi) हितधारक का अर्थ 4
vii) इस्लाम में परोपकार 4
viii) दान बनाम परोपकार 4